भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3123

09 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

लद्दाख में अनुसंधान केन्द्र

3123. श्री मोहम्मद हनीफ़ाः

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार संघ राज्यक्षेत्र लद्दाख में अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने का है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और औषधीय पौधों से संबंधित चल रही परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): अभी तक, आयुष मंत्रालय में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

आयुष मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र सहित पूरे देश में औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन पर एक केंद्रीय क्षेत्रीय योजना कार्यान्वित कर रहा है, जिसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार के हर्बल उद्यानों को विकसित करने तथा वन क्षेत्रों में औषधीय पादपों के संरक्षण, संसाधन संवर्धन हेतु परियोजना आधारित सहायता प्रदान करने का प्रावधान है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान (सीआईबीएस), चोगलमसर, लेह, लद्दाख के परिसर में "हर्बल उद्योग की स्थापना" नामक एक परियोजना प्रस्ताव को भी 1.35 लाख रूपए की राशि की मंजूरी दी गई है।

इसके अतिरिक्त, आयुष मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) द्वारा हिमालयी वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआई) और राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा संस्थान (एनआईएसआर), लेह, लद्दाख को 156.84 लाख रुपये की विधिवत स्वीकृत राशि से लद्दाख के ठंडे रेगिस्तानों में प्राथमिक औषधीय पादपों के संरक्षण की स्थिति, जर्मप्लाज्म संग्रहण और संसाधन वृद्धि से संबंधित परियोजना की स्थापना की है|

राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा संस्थान (एनआईएसआर), लेह, लद्दाख में 39.686 लाख रूपए की स्वीकृत राशि से ट्रांस हिमालय के कुछ लुप्तप्राय और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य औषधीय पादपों की खेती संबंधी अध्ययनों तथा गुणवत्ता वाले जर्मप्लाज्म के उत्पादन से संबंधित एक क्रियाशील अनुसंधान एवं विकास परियोजना को भी सहयोग प्रदान किया गया है।

*****